साध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

आप बंद मुट्ठी से हाथ नहीं मिला सकते।
-इंदिरा गाँधी

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 181 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 6 अगस्त, 2022

सपनों में जी रहे कांग्रेस और अकाली... 2 | अब नगरीय निकाय चुनाव के... 3 | बांटकर राज करती है भाजपा... 7

गिट्टी चोरी में दोषी ठहराए गए मंत्री राकेश सचान भागे अदालत से

» एमएसएमई मंत्री के खिलाफ दर्ज मामले में कानपुर की एसीएमएम तृतीय कोर्ट में हुई सुनवाई

» जज ने फैसला रखा सुरक्षित, धारा 389 और 411 में करार दिए गए दोषी

» हो सकती है दस साल की सजा, लग सकता है आर्थिक दंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। गिट्टी चोरी के मामले में यूपी सरकार में एमएसएमई मंत्री राकेश सचान को कानपुर की एसीएमएम तृतीय कोर्ट ने दोषी करार देते हुए फैसला सुरक्षित कर लिया है। वहीं कोर्ट में सुनवाई से पहले मंत्री राकेश सचान ने सरेंडर किया था लेकिन फैसला आने से पहले वह कोर्ट से फरार हो गए।

यूपी सरकार में मंत्री राकेश सचान के खिलाफ रेलवे की ठेकेदारी के दौरान गिट्टी चोरी होने पर आईपीसी की धारा 389 और 411 में मुकदमा दर्ज किया गया था। चोरी गई गिट्टी की बरामदगी भी हो गई थी। मामला कोर्ट में विचाराधीन था। आज कोर्ट ने फैसले का दिन मुकर्रर किया। दोषी पाए जाने की भनक लगने के बाद राकेश सचान कोर्ट से फरार हो गए। धारा 389 में किसी व्यक्ति को अपराध (जिसकी सजा मृत्यु दंड या आजीवन कारावास या दस वर्ष तक कारावास है) का आरोप लगाने का भय दिखलाना आता है। इसमें दस वर्ष कारावास और आर्थिक दंड का प्रावधान है। वहीं धारा 411 में चोरी की संपत्ति को बेईमानी से प्राप्त करना आता है। इसमें सजा तीन वर्ष कारावास या आर्थिक दंड या दोनों हो सकती हैं। यह एक गैरजमानती, संज्ञेय अपराध है और किसी भी मजिस्ट्रेट द्वारा विचारणीय है।

मंत्री के वकील कोर्ट ऑर्डर लेकर हुए गायब, अदालत में अफरातफरी

मंत्री के वकील अविनाश कटियार होल्ड ऑर्डर कोर्ट से जबरन लेकर गायब हो गए हैं। इस मामले में कोर्ट मंत्री के वकील के खिलाफ अवमानना का मामला दर्ज करा सकती है। एसीएमएम तृतीय आलोक यादव सजा पर फैसला सुरक्षित रखा है। बताया जा रहा है कि बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों के दबाव के चलते मामले को दबाने की कोशिश हो रही है।

यह है सचान का सियासी सफर

कानपुर के किदवई नगर के रहने वाले राकेश सचान ने अपनी राजनीति की शुरुआत समाजवादी पार्टी से की थी। 1993 और 2002 में वह घाटमपुर विधान सभा सीट से विधायक रहे और 2009 में उन्होंने फतेहपुर लोक सभा सीट से चुनाव जीता था। उन्होंने बसपा के महेंद्र प्रसाद निषाद को करीब एक लाख वोटों से हराया था। राकेश सचान मुलायम सिंह और शिवपाल सिंह के बेहद करीबी माने जाते थे। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस का दामन थाम लिया था। वर्ष 2022 के विधान सभा चुनाव से पहले पूर्व सांसद राकेश सचान कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। भाजपा ने राकेश सचान को कानपुर देहात की भोगनीपुर विधान सभा सीट से प्रत्याशी बनाया था और उन्होंने सपा के नरेंद्र पाल सिंह को हराकर जीत हासिल की थी। प्रदेश सरकार में उन्हें एमएसएमई मंत्री बनाया था।

और कोर्ट ने भी लगा दी 4पीएम की खबर पर मुहर, रेप केस में बसपा सांसद को किया बरी

» 4पीएम ने किया था सनसनीखेज खुलासा कि जेल में रची गयी थी बसपा सांसद अतुल राय को फंसाने की साजिश

» पैसा देकर युवती को बसपा सांसद के खिलाफ केस दर्ज कराने को किया गया था तैयार

» एमपी-एमएलए कोर्ट ने युवती के बयान को नहीं माना विश्वसनीय सांसद के पक्ष में सुनाया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। आखिरकार 4पीएम की खबर पर कोर्ट ने भी अपनी मुहर लगा दी। वाराणसी की एमपी-एमएलए कोर्ट ने घोसी के बसपा सांसद अतुल राय को रेप के मामले में बरी कर दिया है। 4पीएम ने इस मामले में सनसनीखेज खुलासा किया था कि सांसद अतुल राय को झूठे केस में फंसाया गया था और इसकी साजिश गाजीपुर-सोनभद्र जेल में रची गयी थी। साजिश के तहत एक युवती को पैसा देकर सांसद पर रेप का झूठा मुकदमा दर्ज करने के लिए तैयार किया गया था। अब कोर्ट ने भी स्वीकार कर लिया है कि सांसद के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज कराया गया था।

6नवंबर 2020 को 4पीएम ने खुलासा किया था कि घोसी के सांसद अतुल राय के सियासी करियर को बर्बाद करने की गहरी साजिश रची गयी थी। इसके तहत बलिया की एक युवती के जरिए जेल में बंद अंगद राय और सत्यम प्रकाश राय ने उन पर रेप और धमकी देने का फर्जी मुकदमा दर्ज कराया था। यही नहीं साजिश को अंजाम देने वालों तक पैसे भिजवाए गए...

शेष पेज 8 पर

जांच आख्या में भी माना था झूठे केस में फंसाया गया

वाराणसी के भेलुपुर के क्षेत्राधिकारी अमरेश कुमार सिंह ने अपनी जांच आख्या में लिखा था कि साक्ष्यों, पूछताछ और ऑडियो क्लिप्स से साफ है कि सत्यम प्रकाश राय, अंगद राय व विजय शंकर तिवारी ने योजना बनाकर अतुल राय को झूठे मुकदमे में फंसाया। ऐसी स्थिति में इस मुकदमे को धारा 173(8) के तहत पुर्नविवेचना कराया जाना जरूरी है।

कब क्या हुआ

1 मई 2019: बलिया जिले की मूल निवासिनी और वाराणसी के यूपी कॉलेज की पूर्व छात्रा ने लंका थाने में अतुल राय के खिलाफ दुराचार और अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज कराया।

22 जून 2019: बसपा सांसद अतुल राय ने वाराणसी की अदालत में सरेंडर किया, जेल भेजा गया।

16 अगस्त 2021: सुप्रीम कोर्ट के सामने पीड़िता और गवाह सत्यम प्रकाश राय फेसबुक पर लाइव हुए और आत्मदाह किया।

16 अगस्त 2021: वाराणसी के पूर्व एसएसपी और गाजियाबाद के पुलिस कप्तान के पद पर तैनात रहे आईपीएस अमित पाठक को डीजीपी ऑफिस से अटैच किया गया।

17 अगस्त 2021: इंस्पेक्टर कैंट राकेश कुमार सिंह और दरोगा गिरिजा शंकर यादव को वाराणसी के पुलिस कमिश्नर ने निलंबित किया।

21 अगस्त 2021: इलाज के दौरान गवाह सत्यम प्रकाश राय की मौत हो गई।

24 अगस्त 2021: पीड़िता ने भी दम तोड़ दिया।

27 अगस्त 2021: पूर्व आइपीएस अमिताभ ठाकुर को सांसद अतुल राय से मिलीभगत और दुराचार पीड़िता व उसके गवाह को आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने के आरोप में लखनऊ से गिरफ्तार किया गया।

30 सितंबर 2021: वाराणसी के एसपी सिटी रहे एडिशनल एसपी विकास चंद्र त्रिपाठी को प्रदेश सरकार ने निलंबित किया।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग, आंकड़ों में धनखड़ आगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद के लिए संसद भवन में वोटिंग हुई। पीएम मोदी भी उपराष्ट्रपति पद के लिए वोटिंग करने संसद भवन पहुंचे। इस दौरान प्रधानमंत्री ने संसद भवन में मतदान किया। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में मतदान किया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी वोट डाला।

वोटों की गिनती आज ही होगी और अगले उपराष्ट्रपति 11 अगस्त को पद की शपथ लेंगे। सत्तारूढ़ पार्टी एनडीए ने उपराष्ट्रपति पद के लिए जगदीप धनखड़ को मैदान में उतारा है जबकि कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष ने मार्गरेट अल्वा को पद के लिए अपना उम्मीदवार चुना है। मौजूदा उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू का कार्यकाल 11 अगस्त को खत्म हो रहा है। दोनों सदनों में मौजूदा आंकड़ों के अनुसार बहुमत के लिए 388 वोट की जरूरत होती है और अकेले भाजपा के पास ही दोनों सदनों के सदस्यों को मिलाकर संख्या 390 के ऊपर है। वहीं राजग में भाजपा को सहयोगी दलों के साथ-साथ तेदेपा, बीजद, बसपा, अन्नाद्रमुक व शिवसेना जैसे दलों ने भी समर्थन देने की घोषणा की है।

सीएम योगी और उपमुख्यमंत्रियों के बीच मंडलों और जिलों का बंटवारा

» सीएम योगी संभालेंगे वाराणसी, मेरठ, मुरादाबाद, अलीगढ़, वाराणसी और आजमगढ़ मंडल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन, सुदृढ़ कानून व्यवस्था और सरकार व संगठन के बीच समन्वय के लिए पहली बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के बीच छह-छह मंडलों (25-25 जिलों) का बंटवारा हुआ है। एक ओर जहां प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार के नेतृत्व में गठित 18 मंत्री समूह मंडलों का दौरा करेंगे।

वहीं मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्री भी मंडलों और जिलों का दौरा कर योजनाओं को धरातल पर उतारने के साथ जमीनी हकीकत का पता लगाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी मंडल के साथ पश्चिमी यूपी की राजनीति को प्रभावित करने वाले सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, अलीगढ़ के साथ पूर्वांचल के आजमगढ़ मंडल की कमान खुद के पास रखी है। वहीं केशव प्रसाद मौर्य को कानपुर, झांसी, चित्रकूट, प्रयागराज, मिर्जापुर और अयोध्या मंडल की जिम्मेदारी सौंपी है।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को लखनऊ, गोरखपुर, बस्ती, देवीपाटन, आगरा और बरेली मंडल का प्रभार दिया गया है। सरकार का मानना है कि मंडलों और जिलों में दौरे, समीक्षा, निगरानी और समन्वय की दोहरी व्यवस्था लागू होने से जनता की समस्याओं का समाधान जल्द होगा। वहीं सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों को मिलेगा। सरकार और संगठन के बीच नीचे तक समन्वय भी बनेगा। मंडलों के मंत्री समूहों में शामिल मंत्रियों के साथ मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री भी जिलों के दौरे में किसी दलित या पिछड़े वर्ग के व्यक्ति के घर जाकर भोजन करेंगे। वहीं जिलों में पार्टी के पदाधिकारियों के साथ बूथ अध्यक्षों के घर भी जाएंगे।

काला कपड़ा पहनकर प्रदर्शन रामभक्तों का अपमान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस के काले कपड़े पहनकर प्रदर्शन पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि 5 अगस्त हर भारतीय के लिए गर्व का दिन है। क्योंकि आज के दिन ही श्रीराम जन्मभूमि के मंदिर निर्माण का शुभारंभ हुआ था। सीएम योगी ने कहा कि यह सोचने वाली बात है कि कांग्रेस ने काले कपड़े पहनकर प्रदर्शन करने का दिन आज का ही क्यों चुना, जबकि रोजाना प्रदर्शन सामान्य कपड़ों में होता था। यह सभी राम भक्त और राम मंदिर निर्माण के लिए आंदोलन में बलिदान देने वालों का अपमान है। साथ ही यह सुप्रीम कोर्ट का अपमान है और कांग्रेस को इसके लिए देश से माफी मांगना चाहिये।

प्रदेश के विकास के बजाय सैफई तक सीमित थे अखिलेश : पाठक

» सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि दंगा कराने वाले कभी तिरंगे का सम्मान नहीं कर सकते। बांटने का काम तो अखिलेश यादव ने किया है, जो कुनबा कभी सपा की ताकत था, आज वही सबसे बड़ी कमजोरी बन गया है। उनकी इसी मानसिकता की वजह से आज सपा डूबती नैया बन गई है। बृजेश पाठक ने कहा कि अखिलेश यादव ने सैफई को ही पूरा प्रदेश समझ लिया था, तभी तो प्रदेश के विकास के बजाय वह सिर्फ सैफई तक ही सीमित थे।

मेरी उन्हें सलाह है कि रात में सपने देखने के बजाय दिन में देखना शुरू करें। सपा मुखिया ने डिफेंस कारिडोर और गोरखपुर के खाद कारखाना सहित दर्जनों प्रोजेक्ट सपने में ही पूरे कर दिए थे। इसीलिए उन्हें दिन में भी ऐसा ही लगता है। उन्होंने कहा कि सपा सरकार की सोच ही भाई, भतीजावाद और जातिवाद तक सीमित थी। सपा सरकार में रोजाना दंगे होते थे। जबकि भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था की देशभर में दुहाई दी जा रही है। योगी मॉडल दूसरे प्रदेश अपने प्रदेशों में लागू कर रहे हैं। दलितों, पिछड़ों और मुसलिमों के लिए जितना काम योगी सरकार ने किया है, उतना पिछली किसी सरकार ने नहीं किया होगा।

सपनों में जी रहे कांग्रेस और अकाली दल के नेता : मान

» जो पंजाब में 25 साल राज करने की करते थे बात उन्हें जनता ने नकार दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कांग्रेस और अकाली दल पर तंज कसते हुए कहा है कि दोनों दलों के नेता अभी भी सपनों की दुनिया में जी रहे हैं. उन्हें लग रहा है कि वे अभी भी सत्ता में हैं। कांग्रेस और अकाली दल के नेता विधान सभा चुनाव में जबरदस्त हार के सदमे से बाहर नहीं निकल पाए हैं. भगवंत मान ने कहा कि सत्ता के भूखे राजनीतिज्ञ यह बात भूल गए हैं कि पंजाब के बुद्धिमान और बहादुर लोगों ने वह सरकार चुनी है, जो उत्साह के साथ उनकी सेवा कर रही है।

शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर सिंह बादल की कड़ी

आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जो नेता पंजाब में 25 साल राज करने की डींगे मारते थे, उनको पंजाब ने पूरी तरह नकार दिया है। भगवंत मान ने कहा कि 'यह नेता न तो अपनी सीट जीते और न ही उन्हें अब उन्हें अपनी पार्टी की तरफ से चुनाव लड़ने के लिए कोई उम्मीदवार मिल रहा है।' उन्होंने कहा कि सत्ता में रहते हुए ये नेता यह भूल गए थे कि लोकतांत्रिक ढांचे में जनता सबसे ऊपर होती है और अगर नजरअंदाज करोगे तो वह आपको दूसरा मौका नहीं देंगे। मान ने कहा कि उनको समझ नहीं आ रहा कि चन्नी कहां भाग गए हैं?

उत्तराखंड में कांग्रेस नौ से शुरू करेगी भारत जोड़ो तिरंगा यात्रा

» महंगाई और बेरोजगारी पर होगी चर्चा, शहीदों को देंगे श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने बताया कि कांग्रेस 9 से 15 अगस्त तक हर जिले में 75 किलोमीटर की भारत जोड़ो तिरंगा यात्रा निकालेगी। यात्रा के दौरान बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और स्वास्थ्य सुविधाओं पर चर्चा की जाएगी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि 9 अगस्त को सुबह 10 बजे रुद्रप्रयाग जिले के गुलाबराय मैदान से भारत जोड़ो तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया जाएगा।

वो रुद्रप्रयाग बाजार, सुमेरपुर, रतूड़ा, घोल्तीर, नगरासू से गौचर तक यात्रा में शामिल होंगे। इसके बाद गौचर में जनसभा को संबोधित करेंगे। वहीं, स्वतंत्रता संग्राम के सबसे बड़े आंदोलन कुली-बेगार प्रथा के विरोध में हुए

आंदोलन के 100 वर्ष पूरे होने पर आन्दोलन की याद में शहीदों को भी श्रद्धांजलि देंगे। इसके बाद दोपहर दो बजे चमोली के कर्णप्रयाग में भारत जोड़ो तिरंगा यात्रा में प्रतिभाग करेंगे। 10 अगस्त को बागेश्वर में, 11 को अल्मोड़ा में, 12 को जसपुर, 13 को ऊधमसिंनगर में, 14 अगस्त को हरिद्वार में भारत जोड़ो तिरंगा यात्रा में शामिल होंगे। जबकि 15 अगस्त को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में भारत जोड़ो तिरंगा यात्रा का समापन होगा। प्रदेश में अगस्त क्रांति के मौके पर 9 अगस्त को हर स्कूल और महाविद्यालय में तिरंगा यात्रा निकलेगी। शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत के मुताबिक देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तिरंगा यात्रा का शुभारंभ करेंगे। यात्रा में चार हजार छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। शिक्षा मंत्री ने बताया कि तिरंगा यात्रा की तैयारियों के लिए उच्च शिक्षा एवं विद्यालयी शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

बामुलाहिज़ा
कार्टून : हसन जैदी

बीजेपी सांसद बोले- भदोही में 14 साल से भटक रहे हैं सफाईकर्मी

» संसद में उठा सफाई कर्मियों की नियुक्ति का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भदोही में 2008 से लटकी सफाई कर्मियों की नियुक्ति का मामला संसद में उठा है। भदोही लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के सांसद रमेश चंद्र बिंद ने शुक्रवार को संसद में सफाई कर्मी की नियुक्ति का मामला उठाया। उन्होंने मांग की है कि एक महीने में सफाई कर्मियों की नियुक्ति की जाए। भदोही में सफाई कर्मियों की नियुक्ति की प्रक्रिया 2008 में की गई थी।

नियुक्ति प्रक्रिया में धांधली की शिकायत पर पूरी प्रक्रिया निरस्त कर दी गई थी। उत्तर प्रदेश का भदोही जिला ऐसा है जहां सफाई कर्मियों की नियुक्ति नहीं हो सकी है। सफाई कर्मी पद के जो अभ्यर्थी है उनके द्वारा 2008 से ही कई बार विरोध प्रदर्शन भी

किए जा चुके हैं। लेकिन उसके बाद भी अभी तक नियुक्ति प्रक्रिया नहीं हो सकी है। संसद में बोलते समय भदोही के सांसद रमेश चंद बिंद ने कहा कि 14 वर्ष बीत गए। लेकिन आज तक भदोही में सफाई कर्मियों की नियुक्ति नहीं हुई है। 14 वर्ष से सफाई कर्मी पद के आवेदकों के जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ा है। उन्होंने सदन के माध्यम से सरकार से आग्रह किया है कि इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर सफाई कर्मियों की नियुक्ति की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाए। रमेश चंद बिंद ने नियुक्ति प्रक्रिया को 1 महीने में पूरा कराने की मांग की है।

अब नगरीय निकाय चुनाव के लिए सपा ने कसी कमर, तैनात किए पर्यवेक्षक

» साल के अंत में होने हैं चुनाव, नगर निगमों पर कब्जा करने की तैयार की जा रही रणनीति

» विधायकों को उनके जिले के बजाय दूसरे जिले की सौंपी गयी है जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में करारी शिकस्त के बाद अब सपा ने नगरीय चुनाव के लिए कमर कस ली है। पार्टी इस साल के अंत में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव की तैयारी में अभी से जुट गई है। सपा ने पहले चरण में 17 नगर निगमों के लिए पार्टी के विधायकों व वरिष्ठ नेताओं को पर्यवेक्षक बनाया है। विधायकों को उनके जिले के बजाय दूसरे जिले की जिम्मेदारी दी गई है। ये पर्यवेक्षक नगरीय चुनाव फतह करने के लिए रणनीति बनाएंगे और उसे जमीन पर उतारेंगे।

लोक सभा चुनाव से पहले अपने कार्यकर्ताओं और जनता तक बेहतर संदेश देने के लिए सपा नगर निकाय चुनाव को पूरी गंभीरता से ले रही है। वह किसी भी तरह की कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती है। यही वजह है कि साल के अंत में होने वाले चुनाव के लिए पूरी रणनीति बनायी जा रही है। पदाधिकारियों और विधायकों को इसकी जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। अलीगढ का पर्यवेक्षक विधायक नवाब जान एवं विधायक राम खिलाड़ी सिंह को बनाया गया है। आगरा की जिम्मेदारी विधायक ब्रजेश कठेरिया, सचिन यादव व आशुतोष मौर्य को दी गई है। प्रयागराज का पर्यवेक्षक विधायक इंद्रजीत सरोज व संदीप पटेल, कानपुर की जिम्मेदारी विधायक विशम्भर सिंह यादव, रविदास मेहरोत्रा और चंद्रप्रकाश लोधी को दी गई है। गाजियाबाद का पर्यवेक्षक विधायक शाहिद मंजूर व पूर्व विधायक संजय गर्ग को बनाया गया है। गोरखपुर की जिम्मेदारी विधायक राममूर्ति वर्मा व संग्राम सिंह, झांसी की जिम्मेदारी विधायक विनोद चतुर्वेदी व एमएलसी डा. मान सिंह, बरेली की जिम्मेदारी विधायक महबूब अली व ब्रजेश यादव, मेरठ की जिम्मेदारी विधायक स्वामी ओमवेश, आशु मलिक व पूर्व जिलाध्यक्ष प्रमोद त्यागी को सौंपी गई है। मुरादाबाद का पर्यवेक्षक विधायक मनोज पारस, अब्दुल्ला आजम व रफीक अंसारी, वाराणसी का विधायक मनोज पाण्डेय, जाहिद बेग, आरके वर्मा, सहारनपुर का सांसद जावेद खान, विधायक समरपाल को बनाया गया है। फिरोजाबाद का पर्यवेक्षक पूर्व सांसद अक्षय यादव व पूर्व विधायक राकेश राठौर, मथुरा- वृंदावन का विधायक अमिताभ बाजपेयी व सर्वेश सिंह, अयोध्या का विधायक अतुल प्रधान व कमाल अख्तर एवं शाहजहांपुर का विधायक अनिल वर्मा व अरमान खान को बनाया गया है।

अखिलेश कन्नौज से करेंगे हर घर फहरे तिरंगा अभियान की शुरुआत

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव नौ अगस्त को क्रांति दिवस के मौके पर कन्नौज की तिर्वा तहसील के गांव झउवा में प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रध्वज प्रदान कर 9 से 15 अगस्त तक चलने वाले हर घर फहरे राष्ट्रध्वज तिरंगा अभियान की शुरुआत करेंगे। सपा मुखिया नौ अगस्त को झउवा गांव में हर परिवार को खादी से बना राष्ट्रध्वज प्रदान करेंगे और क्षेत्र के स्वतंत्रता सेनानियों के स्वजन से मिलकर उनका सम्मान करेंगे। इस गांव में समाजवादी सरकार के समय सीसी रोड के निर्माण के अलावा स्कूलों में स्वच्छ पेयजल के लिए आरओ लगाए गए थे। इसके अलावा पूरे गांव में एलईडी बल्ब लगाए गए थे। अखिलेश ने कहा कि सपा ने नौ से 15 अगस्त तक घर-घर तिरंगा ध्वज फहराने की सभी से अपील की है। उन्होंने कहा कि नौ अगस्त, 1942 का दिन राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक दिवस है। इस दिन 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' आह्वान के फलस्वरूप ही देश को आजादी मिली थी।

इनको दी गयी लखनऊ की जिम्मेदारी

प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की ओर से नियुक्त किए गए पर्यवेक्षकों की सूची में लखनऊ की जिम्मेदारी तीन विधायकों फरीद महफूज किदवई, अमिताभ बाजपेयी और धर्मराज सिंह को सौंपी गई है।

लोकतंत्र और समाजवाद बचाने का लेगी संकल्प

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि आजादी के संघर्ष के शहीदों को नमन करने और उनके सपनों का भारत बनाने का संकल्प लेने का भी यह दिन है। सपा नौ से 15 अगस्त तक घर-घर तिरंगा फहराने में सहयोग करेगी और लोकतंत्र तथा समाजवाद को बचाने का भी संकल्प लेगी।

लोक सभा चुनाव की तैयारियों में जुटा अपना दल, संगठन को मजबूत करने पर फोकस

» सदस्यता अभियान तेज, तैनात किए गए मंडल प्रभारी

» विधान सभा चुनाव परिणामों से पार्टी का उत्साह बढ़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोक सभा चुनाव 2024 में भाजपा के साथ उसके सहयोगी दल भी जीत दोहराना चाहते हैं। इसके लिए सहयोगी दलों ने अभी से ही संगठन और कार्यकर्ताओं को मजबूत करने की तैयारी शुरु कर दी है। अपना दल एस प्रमुख अनुप्रिया पटेल ने न केवल सदस्यता अभियान का शुभारंभ कर दिया है बल्कि 18 मंडलों के सदस्यता प्रभारी भी घोषित कर दिए हैं। इन सभी को बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

पिछले दिनों लखनऊ के कैसरबाग में आयोजित पार्टी की बैठक में अनुप्रिया मौजूद रही थीं और उन्होंने कहा था कि 18 सदस्यता प्रभारियों की देखरेख में मंडलों में सदस्यता अभियान को धार दी जाएगी। जोन अध्यक्ष से लेकर विधान सभा अध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष की नियुक्ति की जाएगी। इसकी प्रक्रिया अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएगी। साथ ही उन्होंने लोक सभा चुनाव की सफलता के लिए कार्यकर्ताओं को 24 घंटे मेहनत करने का मंत्र दिया। पार्टी सभी जिलों में वृहद रूप से सदस्यता अभियान चलाने जा रही है ताकि अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जा सके। गौरतलब है कि पिछले विधान सभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करने के कारण अपना दल का प्रदेश में सियासी कद बढ़ा है और वह तीसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। इसको ध्यान में रखते हुए पार्टी प्रमुख लोक सभा चुनाव में भी कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती है और अच्छी सीटें जीत कर केंद्र में अपनी मजबूत भागीदारी पेश करना चाहती हैं।

राज्यस्तीय पार्टी की मान्यता मिलने से गदगद नेता

लखनऊ। निर्वाचन आयोग ने अनुप्रिया पटेल के अपना दल एस को उत्तर प्रदेश के राज्य स्तरीय राजनीतिक दल के तौर पर मान्यता दे दी है। इससे पदाधिकारियों और कार्यकर्ता गदगद हैं। प्रदेश में राज्य स्तरीय पार्टी का दर्जा हासिल करने वाला अपना दल एस तीसरा दल है। अभी तक सपा और रालोद को प्रदेश में राज्य स्तरीय दल के तौर पर मान्यता प्राप्त थी। अपना दल-एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने इस उपलब्धि को उन करोड़ों कार्यकर्ताओं, प्रशंसकों व शुभचिंतकों की मेहनत का प्रतिफल बताया है जिन्होंने पार्टी के विकास के लिए त्याग, संघर्ष व बलिदान दिया।

केंद्र और राज्य में है भागीदारी

अपना दल (एस) के दो सांसद, विधान सभा में 12 सदस्य और एक विधान परिषद सदस्य हैं। अनुप्रिया पटेल स्वयं मीरजापुर और पकौड़ी लाल कोल राबर्ट्सगंज लोक सभा सीट से पार्टी के सांसद हैं। आशीष पटेल विधान परिषद सदस्य हैं जबकि अठारहवीं विधान सभा के चुनाव में पार्टी के 12 विधायक निर्वाचित हुए हैं।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

यूपी में कमजोर मानसून के मायने

> "सवाल यह है कि क्या कमजोर मानसून का असर प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन पर पड़ेगा? सरकार ऐसी स्थिति के स्थायी समाधान के लिए ठोस कदम क्यों नहीं उठाती है? प्रदेश में सिंचाई के संसाधनों का विस्तार क्यों नहीं किया जा रहा है? क्या केवल मानसून के भरोसे देश की बढ़ती आबादी के पेट भरने लायक खाद्यान्न का उत्पादन किया जा सकता है?

एक ओर देश के कई हिस्सों में जोरदार बारिश हो रही है वहीं उत्तर प्रदेश में मानसून कमजोर पड़ गया है। इसके कारण खरीफ की फसलें प्रभावित हो रही हैं। इसने किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। खासकर धान उत्पादक किसान निराश हो गए हैं। कमजोर मानसून को देखते हुए सरकार ने भी सूखे के असर का जायजा लेना शुरू कर दिया है। सवाल यह है कि क्या कमजोर मानसून का असर प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन पर पड़ेगा? सरकार ऐसी स्थिति के स्थायी समाधान के लिए ठोस कदम क्यों नहीं उठाती है? प्रदेश में सिंचाई के संसाधनों का विस्तार क्यों नहीं किया जा रहा है? क्या केवल मानसून के भरोसे देश की बढ़ती आबादी के पेट भरने लायक खाद्यान्न का उत्पादन किया जा सकता है? किसानों को फसलों के विविधिकरण के प्रति प्रेरित क्यों नहीं किया जा रहा है? परंपरागत खेती में नये प्रयोग करने में सरकार किसानों का सहयोग क्यों नहीं कर रही है? क्या मोटे अनाजों से खाद्यान्न की घटती उत्पादकता की भरपाई नहीं की जा सकती है?

भारत कृषि प्रधान देश है और आज भी यहां के अधिकांश किसान फसलों के उत्पादन के लिए मानसून पर आश्रित रहते हैं। मानसून बेहतर हुआ तो फसल अच्छी होती है अन्यथा किसानों की पूरी मेहनत पर पानी फिर जाता है। आजादी के सात दशकों बाद भी हालत में कोई सुधार होता नहीं दिख रहा है। सरकारें भी सूखे से निपटने के लिए फौरी राहत देने की अपनी राह पर चल रही हैं। सच यह है कि देश में कृषि आज भी सबसे उपेक्षित है। कमजोर मानसून से निपटने के लिए आज तक कोई रणनीति नहीं बनायी गयी है। उत्तर प्रदेश का भी यही हाल है। इस बार देश के अन्य हिस्सों की तुलना में यहां बारिश बेहद कम हुई है। इसका सीधा असर खरीफ की प्रमुख फसल धान पर दिखायी पड़ रहा है। जुलाई में औसत से कम बारिश होने के कारण धान की फसल का रकबा घटा है। प्रदेश में कुल धान के रकबे के महज 65 फीसदी क्षेत्रफल में रोपाई हुई है। यदि बारिश का यही हाल रहा तो पर्याप्त सिंचाई के अभाव में धान की फसल के उत्पादन पर बेहद खराब असर पड़ सकता है।। इसके अलवा गन्ने के उत्पादन पर भी इसका असर पड़ेगा। हालांकि मोटे अनाज मक्का, ज्वार, बाजारा और मटर, मूंग और उड़द के उत्पादन पर कम बारिश का असर नहीं दिखेगा। जाहिर है सरकार को मानसून के उतार-चढ़ाव को देखते हुए इसका स्थायी समाधान निकालने की कोशिश करनी होगी। साथ ही किसानों को ऐसी स्थिति में कम सिंचाई की फसलों की खेती करने के लिए प्रेरित करना होगा अन्यथा हालात बेहतर की जगह बदतर हो जाएंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

5जी स्पेक्ट्रम की बिक्री पर उठ रहे कई सवाल

डॉ. सुनीलम

पूर्व विधायक एवं अध्यक्ष किसान संघर्ष समिति

आप सबने 5जी स्पेक्ट्रम की भारत सरकार द्वारा बोलियां लगाए जाने के बारे में सुना होगा अर्थात आजकल सरकारें पानी पर तो कब्जा कर ही चुकी है अब हवा की तरंगों की भी बिक्री कर रही हैं। आपने पहली बार इस तरह की बिक्री के बारे में 2011 में सुना होगा । तब तत्कालीन दूरसंचार मंत्री ए राजा और कनिमोडी को जेल भेजा गया था लेकिन 2017 में सीबीआई कोर्ट ने सब को बरी कर दिया। तब आरोप लगा था कि 1.76 लाख करोड़ का घोटाला हुआ है। इस बार 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी को लेकर कोई चर्चा नहीं है । जब भी कोई बोली लगाई जाती है तब एक निश्चित राशि तय की जाती है। यह राशि साढ़े चार लाख करोड़ की थी लेकिन बिक्री डेढ़ लाख करोड़ में की गई। दूरसंचार मंत्री ने कहा कि 71प्रतिशत 5जी स्पेक्ट्रम बेच दिया गया जिससे देश लाभान्वित हो सकेगा। इस बोली से यह स्पष्ट हो गया कि अंबानी ने अपना एकाधिकार दूरसंचार क्षेत्र में कायम रखा है। एयरटेल ने 45,084 करोड़, वोडाफोन ने 18,799 करोड़, जियो ने 88,078 करोड़ और अडानी ने 212 करोड़ की खरीद की है।

अडानी द्वारा इतनी कम पर खरीद को लेकर तमाम कयास लगाए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि उन्होंने 5जी स्पेक्ट्रम का एक छोटा सा हिस्सा केवल अपनी कंपनी के प्रतिष्ठानों की साइबर सुरक्षा के लिए खरीदा है। सवाल यह है कि जब 2जी स्पेक्ट्रम की बोलियां लगाई गई थी तब उसमें तमाम कंपनियों ने हिस्सा लिया था अब ऐसा क्या हुआ कि चार -पांच कंपनियां ही बोलियां लगाने के लिए सामने आई ? उनमें से एक ही कंपनी ने बोली लगाई, वह भी बेस प्राइस 4.3 लाख करोड़ के बहुत नीचे । क्या सरकार द्वारा इस तरह की शर्तें लगा दी गई है कि उन शर्तों को अन्य कंपनियां पूरा नहीं कर सकती ? 5जी स्पेक्ट्रम की बिक्री की जब 2जी स्पेक्ट्रम की बिक्री से तुलना की जाए तो लगता है कि इसमें दाल में कुछ काला है । गोदी मीडिया की चुप्पी भी यही दर्शाती है। तमाम विशेषज्ञों द्वारा यह कहा जाता है कि 5जी स्पेक्ट्रम की ओवरप्राइसिंग की गई थी यदि यह आरोप सही है तो भारत सरकार को इस बात का जवाब देना चाहिए कि उसने किस आधार पर कीमतें तय की थी? 2जी स्पेक्ट्रम की कीमतों को किस आधार पर तय किया

गया था और अब 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी की कीमतें किस आधार पर तय की गई है? यह तो एकदम साफ है कि सरकार ने अंबानी को दूरसंचार क्षेत्र में एकाधिकार देने का मन बनाया हुआ है। देश के 22 सर्किल अंबानी के पास है, इसलिए जियो का नेटवर्क सब जगह मिल जाता है। यह जानना दिलचस्प होगा कि 5जी स्पेक्ट्रम पर शोध कार्य बीएसएनएल द्वारा किया गया है, अंबानी या किसी अन्य कंपनी के द्वारा नहीं। पूरी दुनिया में जब से खुली अर्थव्यवस्था का वर्चस्व कायम हुआ तब यह कहा जा रहा था कि यह सब इसलिए किया जा रहा है ताकि बाजार में प्रतियोगिता हो तथा लोगों को तमाम विकल्पों को चुनने का अवसर मिले। यह उल्लेख करना आवश्यक है कि दुनिया में जब भी, जहां भी किसी कंपनी ने एकाधिकार कायम किया है, वहां वह मनमर्जी से कीमतें तय करती है। जिससे उपभोक्ताओं का शोषण खुली लूट में बदल जाता है। डी बीयर्स नामक कंपनी के पास पूरी दुनिया का 80 प्रतिशत हीरे का व्यापार था। जब उपभोक्ताओं की लूट चरम पर पहुंच गई। जब उसकी जांच की गई तब कंपनी को 2004 में यह अपराध स्वीकार करना पड़ा कि उसने कीमतों को तय करने में हेराफेरी की है। जब कानूनी नकेल कसी गई तब से डी बीयर्स का एकाधिकार खत्म हो गया। अब उसके पास केवल 35 प्रतिशत बाजार का हिस्सा है। स्टैंडर्ड ऑल अमेरिका की सबसे बड़ी आईल कंपनी है। यही कंपनी सऊदी अरब में व्यापार किया करती थी लेकिन बाद में सऊदी अरब ने तेल के व्यापार का राष्ट्रीयकरण कर दिया था। इस समय दुनिया की बड़ी तेल कंपनियों में सऊदी अरब की अरामको कंपनी स्थापित हो चुकी है। भारत सरकार को विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से एकाधिकार कायम करने वाली कंपनियों को रोकने के कानून बनाने चाहिए।

दुनिया भर में कंपनी के एकाधिकार के खिलाफ बड़ी बहस भी चल रही है और आंदोलन भी। जब किसी कंपनी का किसी क्षेत्र पर पूरी तरह एकाधिकार कायम हो जाता है, तब उसे मोनोप्सोनी कहा जाता है और यदि बाजार में सीमित कंपनियां प्रतियोगिता में रह जाती है तब उसे ओलिगोपोली कहा जाता है। जहां तक दुनिया में 5जी के उपयोग का सवाल है, ग्लोबल मोबाइल सप्लायर्स एसोसिएशन का दावा है कि इस वर्ष के अंत तक दुनिया के एक अरब उपभोक्ता इसका उपयोग करने लगेंगे। 2जी, 3जी और 4जी के उपयोग का फैलाव दुनिया में आज जितना हो चुका है, उस स्तर पर पहुंचने को 5जी को साढ़े तीन साल लगेंगे। कुल मिलाकर जिस तरह जियो पहले निशुल्क आया था और आज उपभोक्ताओं से सर्वाधिक कमाई वाली कंपनी बन चुकी है। उसी तरह हो सकता है कि 5जी में भी कुछ लुभावने ऑफर आपको मिले पर बाद में आपको उसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़े। जो भी हो 5जी स्पेक्ट्रम की बिक्री की पड़ताल जरूरी है। मुझे लगता है कि आने वाले समय में खोजी पत्रकार और दूरसंचार विशेषज्ञ इसका खुलासा जरूर करेंगे।

नैंसी पेलोसी की व्यूह रचना को समझिए

पुष्परंजन

ताइपे शहर से 180 किलोमीटर दूर हुआथान शहर में सु-फू-ये बेकरी, अंडे की जर्दी से स्टफ्ड 'योक पेस्ट्री' के लिए प्रसिद्ध है। दो अगस्त, मंगलवार की रात सु-फू-ये बेकरी ने बैनर लटकाकर घोषणा की कि यदि अमेरिकी स्पीकर नैंसी पेलोसी एक घंटे के वास्ते ताइवान में हैं, छह पीस योक पेस्ट्री खरीदिये, हमारी ओर से एक पेस्ट्री फ्री। नैंसी पेलोसी दो घंटे रुकीं, तो छह योक पेस्ट्री के साथ दो फ्री। घंटे के हिसाब से पेलोसी का रुकना और बेकरी वाले से फ्री की पेस्ट्री, ताइवानी मीडिया के लिए सुर्खियों का सबब बन गया। ताइपे के सोंगशान एयरपोर्ट पर पेलोसी मंगलवार की रात 10:44 पर उतरीं। वे कुल 19 घंटे ताइवान में रहीं। सोचिए, बेकरी मालिक चियांग का क्या हाल हुआ होगा? छह योक पेस्ट्री के साथ 19 पेस्ट्री फ्री।

बुधवार शाम छह बजे पेलोसी दक्षिण कोरिया के लिए प्रस्थान कर गईं। दक्षिण कोरिया के बाद, यात्रा के अंतिम चरण में उन्हें जापान जाना है। पेलोसी, कांग्रेसनल डेलीगेशन के साथ ताइवान की पहली महिला राष्ट्रपति त्साई इंग वेन से मिलीं, उनका सम्मान हुआ। ऐसी तमाम खबरें वहां के मीडिया में है लेकिन जिस खबर को जानने के बाद अमेरिकी खेल समझ में आता है, वह है नैंसी पेलोसी का चिप इंडस्ट्री के दिग्गजों से मिलना। ताइवान की सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी के वरिष्ठ सांसद ख़ुर छिएन मिंग ने जानकारी दी कि सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के चेयरमैन मार्क लियु, टीएसएमसी के संस्थापक मोरिस छांग, एपल आईफोन के असेंबलर 'पेगाट्रोन' के वाइस चेयरमैन जेसोन चेंग से नैंसी पेलोसी का संवाद हुआ। उन्हें कुछ दिन पहले पारित अमेरिकन चिप एंड साइंस एक्ट के हवाले से भरोसा दिया गया कि 52 अरब डॉलर हम ताइवान की उन सेमीकंडक्टर निर्माण करने वाली कंपनियों को देंगे जो अमेरिका में रहकर चिप डेवलप करेंगी। एपल, गूगल, क्वालकम, एन-विडिया जैसी कंपनियों से सहकार की दिशा में आगे बढ़ेगी। ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी (टीएसएमसी) वर्ल्ड मार्केट कैपिटलाइजेशन के मामले में नौवें स्थान पर है। 'मार्केट कैपिटलाइजेशन' शेयरों की खरीद-बिक्री से घटता-बढ़ता है।

पेलोसी ने हिदायत दी है कि चीन से उन चिप कंपनियों का कोई नाता नहीं होना चाहिए। उसकी वजह, जियो पॉलिटिकल के साथ मिल्ट्री भी है। उदाहरण के लिए ताइवान की टीएसएमसी चिप्स है, जिसका इस्तेमाल अमेरिकी फाइटर जेट, 'एफ-35' में होने लगा है। टीएसएमसी चिप्स स्मार्टफोन, डाटा सेंटर और सुपरकंप्यूटर में पहले से लगाये जा रहे हैं। उसी तरह सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा है। डाटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में सेमीकंडक्टर का बहुत बड़ा रोल रहता है। इसे मान लेना चाहिए कि अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी वर्चस्व की लड़ाई तेजी से शुरू है, उसे साधने के वास्ते ताइवानी तकनीशियनों का इस्तेमाल, अमेरिकी सबसे जरूरी मानते हैं।

एक और प्रतिस्पर्धा इंटीग्रेटेड सर्किट को लेकर है जिसे चिप या माइक्रोचिप के रूप में भी जाना जाता है। 2021 तक इंटीग्रेटेड सर्किट मार्केट के 54 प्रतिशत हिस्से पर अमेरिकी कंपनियों का कब्जा बताया गया था। दुनिया के माइक्रोचिप बाजार पर दक्षिण कोरिया की 22 प्रतिशत और ताइवान की 9 फीसद हिस्सेदारी है। नैंसी पेलोसी की ताइवान-दक्षिण कोरिया यात्रा का दूसरा मकसद एशियाई चिप इकोनॉमी पर आधिपत्य जमाना है। इस एंगल को समझने की जरूरत है, जो प्रत्यक्ष रूप से नहीं दिखता। जो दिख रहा है, वो ये कि जी-7 के विदेश मंत्रियों ने नैंसी पेलोसी की यात्रा के दौरान चीन की भाषा और हरकतों पर आपत्ति जताई है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने इस दौरान इस्टर्न थिएटर कमांड को जिस तरह सक्रिय किया, ताइवान के आसपास के द्वीपों से हवाई व समुद्री मिल्ट्री ड्रिल करवाई, ड्रोन एक्टिव किये, उसके हवाले से दुनिया के दीगर हिस्सों को लगा कि यूक्रेन के बाद दूसरा मोर्चा इस इलाके में खुल चुका है। पेलोसी, ताइवान यात्रा के दौरान 'डेमोक्रेसी, डिफेंस और फ्रीडम' जैसी शब्दावली का इस्तेमाल करती रहीं। अब कोई पेलोसी से पूछे, 25 अक्टूबर, 1971 को आरओसी (रिपब्लिक ऑफ चाइना, ताइवान प्रायद्वीप का नाम) को जब संयुक्त राष्ट्र से निष्कासित किया गया, तब अमेरिका कहां था? उसने 51 साल पहले वीटो का इस्तेमाल क्यों नहीं किया? आज चाइनीज नेशनलिस्ट पार्टी (क्रोमितांग) सत्ता में नहीं है। सेंटर-लेफ्ट नेशनलिस्ट विचारधारा वाली डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) 2000 से सत्ता में है। डीपीपी चीन से मुक्ति के लिए संघर्षरत है। तो संयुक्त राष्ट्र में ताइवान की वापसी के प्रयासों में अमेरिका मदद क्यों नहीं करता? अब अमेरिका चूंकि चीन से आर्थिक युद्ध लड़ने का आकांक्षी है तो ताइवान का कंधा उसे चाहिए। पेलोसी अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ ताइपे जिस तरह पधारीं, वह वन चाइना पॉलिसी के विपरीत है और ताइवान को उकसाने वाली कार्रवाई है। कई बार लगता है कि चीन और नैंसी पेलोसी नूरा कुश्ती खेल रहे हैं। कम लोगों को पता है कि अमेरिकी डेमोक्रेट नेता नैंसी पेलोसी के ल्हासा जाने का इंतजाम नवंबर, 2015 के पहले हफ्ते में चीनी प्रशासन ने किया था। तब नैंसी पेलोसी ने 'तिब्बत में सब चंगा सी' बोलकर उन्हें तुष्ट कर दिया था। मगर, डेढ़ साल बाद 9 मई, 2017 को जब नैंसी पेलोसी दलाई लामा से मिलने धर्मशाला पहुंच गईं, तो चीनियों के कान खड़े हुए। सोचिए, नैंसी पेलोसी एक डेलीगेशन के साथ ल्हासा घूम आईं, चीन को जरा भी कष्ट नहीं हुआ। नैंसी ताइवान जाएं तो तूफान खड़ा होता है।

बारिश में पेट्स को लेकर न बरतें जरा सी भी लापरवाही

ग्रूमिंग रूल रोज

एंटी-सेप्टिक शैंपू से डॉग को नहलाएं। नहलाने के बाद पेट की बॉडी को अच्छी तरह से सुखाएं। वेटरिनेरियन ने जो भी आपके पेट को सुरक्षित और इंफेक्शन से दूर रखने के लिए वैक्सीनेशन बताएं है वो लगाना बिल्कुल भी न भूलें।

मानसून के आने से गर्मी से तो राहत मिल ही गई है साथ ही अब आप अपने घर के सबसे प्यारे मेम्बर के साथ भी घूमने का प्लान बना सकते हैं। अगर आपके घर में कोई डॉग है तो आपको ये बात समझ लेनी चाहिए कि उन्हें भी इंसानों की तरह ही देखभाल की जरूरत होती है। आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं जिनकी मदद से आपका पैट फिट रहेगा और बारिश में भी उसे कोई परेशानी नहीं होगी।

वॉक पर जब जाएं

जिन जगहों पर पानी भरा हो वहां पर जाने से बचें। ऐसी जगहों पर मच्छरों के काटने का भी खतरा रहता है और आपके पेट को नुकीले पत्थरों, धातु या शीशे के टुकड़ों से चोट लग सकती है। मानसून में कुत्तों को संक्रमण आसानी से अपना शिकार बना लेता है इसलिए उनमें किसी भी प्रकार के घाव या चोट को नजरअंदाज न करें। बाहर से आने पर उनकी बॉडी से धूल-मिट्टी को अच्छी तरह से साफ करके बॉडी को सुखाएं।

वजन का ध्यान

अगर आपके पेट का वजन ज्यादा होगा तो उसे वॉक पर ले जाना मुश्किल हो जाएगा। इंसानों के साथ-साथ जानवरों के लिए भी शारीरिक रूप से सक्रिय रहना जरूरी है। उन्हें संतुलित व फाइबर से प्रचुर डाइट दें। वजन को संतुलित रखने के लिए रनिंग या सीढ़ी चढ़ने का तरीका अपना सकते हैं।

दूषित पानी से जनित बीमारियों का खतरा ज्यादा रहता है। अपने पेट के पानी के कंटेनर में साफ, ठंडा और उबला हुआ पानी रखें।

मिंग का रखें ध्यान

डॉग को भी ग्रूमिंग पसंद आती है। हालांकि, अगर आपका पेट खुद को चाटते या खुजलाते हुए दिखे या उसमें से गंदी बदबू आ रही हो तो ये बैक्टीरियल या फंगल संक्रमण हो सकता है। बेहतर होगा कि आप समय पर वेटरिनेरियन से बात करें।

गर्म पानी का इस्तेमाल

मानसून के दौरान पेट्स को भी पीने के लिए साफ पानी देना चाहिए। कुत्तों की इम्युनिटी कमजोर होती है और इस वजह से उनमें दूषित पानी से जनित बीमारियों का खतरा ज्यादा रहता है। अपने पेट के पानी के कंटेनर में साफ, ठंडा और उबला हुआ पानी रखें। इससे दस्त और पेट से संबंधित संक्रमणों का खतरा नहीं रहेगा।

कहानी: बुझी मोमबत्ती

एक पिता अपनी चार वर्षीय बेटी मिनी से बहुत प्रेम करता था। ऑफिस से लौटते वक्त वह रोज उसके लिए तरह-तरह के खिलौने और खाने-पीने की चीजें लाता था। बेटी भी अपने पिता से बहुत लगाव रखती थी और हमेशा अपनी तोतली आवाज में पापा-पापा कह कर पुकारा करती थी। दिन अच्छे बीत रहे थे कि अचानक एक दिन मिनी को बहुत तेज बुखार हुआ, सभी घबरा गए, वे दौड़े-भागे डॉक्टर के पास गए, पर वहां ले जाते-ले जाते मिनी की मृत्यु हो गयी। परिवार पर तो मानो पहाड़ ही टूट पड़ा और पिता की हालत तो मृत व्यक्ति के समान हो गयी। मिनी के जाने के हफ्तों बाद भी वे न किसी से बोलते न बात करते, बस रोते ही रहते। यहां तक की उन्होंने ऑफिस जाना भी छोड़ दिया और घर से निकलना भी बंद कर दिया। आस-पड़ोस के लोगों और नाते-रिश्तेदारों ने उन्हें समझाने की बहुत कोशिश की पर वे किसी की नहीं सुनते, उनके मुख से बस एक ही शब्द निकलता मिनी ! एक दिन ऐसे ही मिनी के बारे में सोचते-सोचते उनकी आंख लग गयी और उन्हें एक स्वप्न आया। उन्होंने देखा कि स्वर्ग में सैकड़ों बच्चियां परी बन कर घूम रही हैं, सभी सफेद पोशाकें पहने हुए हैं और हाथ में मोमबत्ती लेकर चल रही हैं। तभी उन्हें मिनी भी दिखाई दी। उसे देखते ही पिता बोले, मिनी, मेरी प्यारी बच्ची। मिनी सभी परियों के साथ चल रही थी। सभी के हाथ में जतली मोमबत्ती थी पर मिनी के हाथ में जो मोमबत्ती थी वह बुझी हुई थी। यह देख कर मिनी के पापा बोले, बेटी मिनी सभी परियों के हाथ में जो मोमबत्तियां हैं वह सभी मोमबत्तियां जल रही हैं, पर तुम्हारी मोमबत्ती बुझी क्यों हैं, तुम इसे जला क्यों नहीं लेती। पापा की बात सुन कर मिनी बोली, पापा मैं तो बार-बार इस मोमबत्ती को जलाती हूं, पर आप इतना रोते हो कि आपके आंसुओं से मेरी मोमबत्ती बुझ जाती है। ये सुनते ही पिता की नींद टूट गयी। उन्हें अपनी गलती का अहसास हो गया। वे समझ गए कि उनके इस तरह दुखी रहने से उनकी बेटी भी खुश नहीं रह सकती, और वह पुन: सामान्य जीवन की तरफ बढ़ने लगे।

सीख: मित्रों, किसी करीबी के जाने का गम शब्दों से बयान नहीं किया जा सकता। पर कहीं न कहीं हमें अपने आप को मजबूत करना होता है और अपनी जिम्मेदारियों को निभाना होता है और शायद ऐसा करना ही मरने वाले की आत्मा को शांति देता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि जो हमसे प्रेम करते हैं वे हमें खुश ही देखना चाहते हैं, अपने जाने के बाद भी!

हंसना मना है

लड़की: तुम मेरे लिए क्या कर सकते हो। लड़का: मैं तुम्हारा जूठा जहर पी सकता हूं। फिर क्या, तुरंत हो गया ब्रेकअप।

पति: तुम हर बात पर मेरा-मेरा करती रहती हो, तुम्हें हमारा कहना चाहिए। पत्नी कुछ ढूंढ रही होती है अलमारी में। पति: क्या ढूंढ रही हो। पत्नी: हमारी साड़ी।

टीचर: इस वाक्य को अंग्रेजी में ट्रांसलेट करो, बसंत ने मुझे मुक्का मारा। रामू: बसंत पंचमी टीचर अभी भी कोमा में है।

मोहन ने सोहन से पूछा: यार तुम्हें कैसी बीवी चाहिए। सोहन: मुझे तो ऐसी बीवी चाहिए जो खाना खाने के बाद कहे, तुम बैठकर व्हाट्सएप चलाओ मैं पैर दबाती हूं।

गर्लफ्रेंड ने यह कहते हुए पप्पू से ब्रेकअप कर लिया कि मैं तो तुम्हें पर्मानेंट पासवर्ड बनाना चाहती थी लेकिन तुम्हारे लक्षण ओटीपी बनने वाले ही थे।

6 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: जीवनसाथी से किसी बात को लेकर मतभेद हो सकता है। सामंजस्य बनाकर रखें नहीं तो विवाद अधिक बढ़ सकता है। ससुराल पक्ष में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृषभ: जीवन में कार्यक्षेत्र में संघर्ष होता रहेगा। भविष्य को लेकर मन में चिंता बनी रहेगी। संतान के भविष्य को लेकर चिंता बनी रहेगी। मतभेद हो सकते हैं।

मिथुन: दिमाग सक्रिय रहेगा। शरीर में स्फूर्ति बनी रहेगी। परिवार से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। भाइयों में प्रेम बना रहेगा। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा।

कर्क: किसी भी कार्य को करने में ऊर्जा की कमी महसूस होगी। निर्णय लेने में असमंजस बना रहेगा। परिवार में किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है।

सिंह: दिमाग सक्रिय रहेगा व शरीर में स्फूर्ति बनी रहेगी। भाइयों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा। संतान पक्ष से संबंधित कार्य पूर्ण होंगे।

कन्या: मन में आत्मविश्वास बना रहेगा। भाइयों का सहयोग रहेगा। माता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। संतान पक्ष से संबंधित कार्य होंगे। कोई विशेष योजना बना सकते हैं।

तुला: मन में तनाव बना रहेगा। कार्य करने में आत्मविश्वास की कमी महसूस करेंगे। निर्णय लेने में असमंजस बना रहेगा। भाइयों का सहयोग सामान्य रहेगा।

वृश्चिक: मन में प्रसन्नता बनी रहेगी तथा शरीर में स्फूर्ति का अनुभव करेंगे। दिमाग अधिक सक्रिय रहेगा। परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु: जीवनसाथी का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। माता के स्वास्थ्य में लाभ होगा। परिवार का पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

मकर: आज का दिन सामान्य है। मन में तनाव बना रहेगा। अस्थिरता रहेगी। भविष्य की सफलताओं को लेकर चिंता मन में बनी रहेगी। एकाग्रता की कमी होगी।

कुम्भ: आज का दिन शुभ नहीं है। मन में अस्थिरता बनी रहेगी तथा तनाव बना रहेगा। कार्य करने में ऊर्जा की कमी महसूस करेंगे। निर्णय लेने में असमंजस की स्थिति बनेगी।

मीन: आत्मविश्वास भरपूर रहेगा जिसके कारण कार्यों को बड़े मन लगाकर कर पाएंगे जिससे परिवार के लोग भी आपकी प्रशंसा करेंगे। कार्यक्षेत्र में सबसे आत्मीयता बनी रहेगी।

भोजपुरी | मन की बात

भोजपुरी क्वीन मोनालिसा पर चढ़ा बोल्डनेस का रंग

मशहूर भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा के चाहने वाले आज देशभर में हैं। वहीं, मोनालिसा अपने प्रोजेक्ट्स से ज्यादा लुक्स के कारण चर्चा में रहने लगी हैं। लोग उनकी एक झलक देखने के लिए बेताब हो गए हैं। एक्ट्रेस भी इस मामले में कभी अपने फैंस को निराश नहीं करतीं। ऐसे में वह अक्सर अपने चाहने वालों के दिलों की धड़कनें बढ़ाने के लिए अपना नया लुक शेयर कर ही देती हैं। अब फिर से मोनालिसा ने अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं।

मोनालिसा पिछले कुछ वक्त में सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हो गई हैं। अक्सर वह इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की झलक दिखाती रहती हैं। इस दौरान उनका बोल्ड और सिजलिंग भी काफी देखने के लिए मिलता रहता है। इस कारण मोनालिसा की फैन फॉलोइंग भी तेजी से बढ़ती जा रही है। अब लेटेस्ट फोटोज में मोनालिसा को काफी ग्लैमरस लुक में देखा जा रहा है। उन्होंने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपने कुछ फोटोज शेयर की हैं। यहां उन्हें येलो कलर का वन शोल्डर टॉप और ग्रीन कलर की थाई हाई स्लिट स्कर्ट पहने देखा जा रहा है। एक्ट्रेस यहां अपनी टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट करते हुए कैमरे के सामने पोज दे रही हैं। इसके साथ उन्होंने गोल्डन कलर की हाई हील्स कैरी की हैं। मोनालिसा ने अपने इस लुक को न्यूड मेकअप और ओपन हेयर स्टाइल से कंप्लीट किया हैं। मोनालिसा हमेशा की तरह इस लुक में काफी ग्लैमरस और हॉट दिख रही हैं। फैंस उनकी इन अदाओं पर फिदा हो गए हैं। लोगों ने मोनालिसा की तारीफें करते हुए खूब कमेंट्स करने शुरू कर दिए हैं। कुछ मिनटों में ही मोनालिसा की इन फोटोज पर हजारों लाइक्स आ चुके हैं।

बॉक्स ऑफिस पर 'विलेन 2' की करोड़ों में कमाई

अर्जुन कपूर और जॉन अब्राहम की फिल्म एक विलेन रिटर्न्स देशभर में कुछ खास कमाल दिखाने में चाहे असफल रही है लेकिन इस फिल्म को यूके के दर्शकों से पॉजिटिव रिसपॉन्स मिल रहा है। फिल्म की फर्स्ट वीकेंड के बाद पहले सोमवार की कलेक्शन बात करें तो ये फिल्म देशभर में कुछ खास कमाई नहीं कर पाई। वहीं यूके में सोमवार को इस फिल्म के लिए दर्शकों का अच्छा फुटफॉल देखने को मिला।

आपको बात दें फर्स्ट वीकेंड पर फिल्म एक विलेन रिटर्न्स ने यूके बॉक्स ऑफिस पर 130 हजार यानी करीब 1 करोड़ 26 लाख से ज्यादा की कमाई दर्ज करवाई। इसके अलावा सोमवार को भी फिल्म को अच्छी खासी ऑडियंस मिली। Bo&officeindia की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने सोमवार को यूके बॉक्स ऑफिस में करीब £30 हजार यानी 28-29 लाख रुपये की कमाई की। यूके में रिलीज के चौथे दिन फिल्म की कमाई में 25 प्रतिशत गिरावट आई। इस तरह से फिल्म ने महज चार दिनों में £159 हजार यानि 1 करोड़ 55 लाख से ज्यादा की कलेक्शन कर ली है।

TOI की रिपोर्ट के मुताबिक, विलेन 2' का यूके में मौजूदा कलेक्शन ग्राफ इसी तरह रहा तो ऐसा मुमकिन है कि ये फिल्म रिलीज के पहले हफ्ते 225 हजार यानि 2-3 करोड़ की कमाई कर लेगी। अगर ऐसा होता है तो यूके में पहले रिलीज हुई बॉलीवुड की बड़ी फिल्मों के रिकॉर्ड भी तोड़ सकती है। यूके के दर्शकों का विलेन 2 को इस तरह प्यार मिलता रहा तो हो सकता है ये फिल्म कार्तिक आर्यन स्टारर 'भूल भुलैया' और अनिल कपूर की 'जुग जुग जिय के रिकॉर्ड भी ब्रेक कर दे।

भूल भुलैया 2 और जुग जुग जियो के रिकॉर्ड ब्रेक करेगी 'विलेन 2'

देशभर में अबतक की कमाई

रिपोर्ट के मुताबिक एक विलेन रिटर्न्स ने पांचवें दिन करीब 2.70 करोड़ का बिजनेस किया है। ये कलेक्शन उम्मीद से बहुत कम है। अगर अब तक फिल्म की कमाई देखें तो इस तरह है-

पहले दिन 7.05 करोड़, दूसरे दिन 7.47 करोड़, तीसरे दिन 9.02 करोड़ चौथे दिन 3.02 करोड़
पांचवें दिन 2.35-2.45 करोड़, अबतक कुल कलेक्शन लगभग 29 करोड़

29 जुलाई 2022 को रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन मोहित सूरी ने किया है। इस फिल्म को टी-सीरीज और बालाजी टेलीफिल्म्स मिलकर प्रोड्यूस किया है। फिल्म में जॉन अब्राहम, अर्जुन कपूर, तारा सुतारिया और दिशा पाटनी लीड रोल अदा कर रहे हैं।

फ्लोरल प्रिंट ड्रेस में नजर आई कटरीना कैफ

बॉलीवुड डीवा कटरीना कैफ आजकल टॉक ऑफ द टाउन बनी हुई हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में कटरीना कैफ ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की है जो इंटरनेट वर्ल्ड में जमकर वायरल हो रही है। अपनी खूबसूरती से फैंस का दिल जीतने वाली कटरीना कैफ एक बार फिर दिलकश अंदाज में नजर आईं। दरअसल, हाल ही में डीवा ने फ्लोरल प्रिंट ड्रेस में अपनी पिक्चर्स शेयर की। इस आउट फिट में एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत लग रही हैं। खूबसूरत तस्वीरों के साथ कटरीना कैफ ने यह भी बताया है कि वो जल्द ही शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान के साथ किसी बड़े प्रोजेक्ट की घोषणा कर सकती हैं। कटरीना की इन तस्वीरों ने फैन्स के बीच हलचल तेज कर दी है। आपको बता दें कि कटरीना कैफ जल्द ही फेमस टॉक शो 'कॉफी विद करण' में नजर आने वाली हैं। गौरतलब है कि यह पहला मौका है जब एक्ट्रेस विक्की कौशल संग शादी के बाद किसी इंटरव्यू में नजर आएंगी। फैन्स को इस एपिसोड का बेसब्री से इंतजार है। एक्ट्रेस के वर्कफ्रंट की बात करें तो कटरीना कैफ जल्दी ही कॉमेडी हॉरर फिल्म 'फोन भूत' में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म 4 नबंवर, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा वह टाइगर 3 में भी नजर आने वाली हैं, जिसमें उनके अपोजिट सलमान खान नजर आने वाले हैं।

अजब-गजब | बीमार होने से पहले चल जाएगा पता

वैज्ञानिक तैयार कर रहे हैं ऐसा टैटू जो बता देगा आपके शरीर का हाल

जैसे-जैसे विज्ञान तरक्की कर रहा है, वैसे-वैसे वैज्ञानिक ऐसी चीजें बना रहे हैं जो बेहद अनोखी और हैरान करने वाली हैं। विज्ञान ने इंसान को जीने का नया तरीका दिया है। एक वक्त था जब इंसान को कोई भी बीमारी तब पता चलती थी जब वो बेहद बड़ा रूप ले लेती थी मगर अब हमें पहले से बीमारियों के बारे में पता लग सकता है। इन दिनों वैज्ञानिकों द्वारा ऐसा शोध किया जा रहा है जिसकी मदद से किसी भी बीमारी के बारे में पहले से पता चल जाएगा। हैरानी की बात ये है कि शरीर का हाल कोई मेडिकल उपकरण नहीं, बल्कि एक टैटू बताएगा।

जी हां, साउथ कोरिया के वैज्ञानिक काफी चौंकाने वाली खोज में लगे है और अगर ये सफल हो जाती है तो इंसानों के लिए बड़ी सफलता साबित होगी। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार साउथ कोरिया के वैज्ञानिक ऐसी डिवाइस बना रहे हैं जो लोगों के शरीर पर टैटू के रूप में बनी होगी और उसकी मदद से इंसान के शरीर का हाल पता चल जाएगा जिससे बीमारी का तुरंत पता लग जाएगा। कोरियन एडवांस इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेकनोलॉजी में वैज्ञानिकों ने एक इलेक्ट्रॉनिक टैटू इंक बनाया है जो लिक्विड मेटल और कार्बन नैनोट्यूब का इस्तेमाल कर बनाया गया है। ये बायोइलेक्ट्रोड की तरह से काम करता है। इस टैटू को ईसीजी डिवाइस से जोड़ा जाएगा जिससे वो इंसान के दिल का हाल बताएगा साथ में ग्लूकोस लेवल की भी जानकारी देगा जो मॉनिटर पर नजर आएगा।

शोधकर्ता आगे बायोसेंसर का इस्तेमाल करना चाहते हैं जिससे ये तकनीक और भी ज्यादा हाइटेक साबित होगी। इस प्रोजेक्ट के लीडर स्टीव पार्क ने बताया कि आगे चलकर वो टैटू इंक के साथ एक वायरलेस चिप डाल देंगे जो एक बाहरी डिवाइस पर सिग्नल भेजेगी जिससे शरीर का हाल पता लग जाया करेगा। जिस मॉनिटर पर चिप सिग्नल भेजेगी उसे मरीज के घर पर भी इंस्टॉल किया जा सकेगा। इंक की खासियत ये है कि ये टैटू को मिटाने पर भी शरीर से नहीं छूटेगी। ये इंक गैलियम जैसे पार्टिकल से मिलकर बनी है।

ऐसी जगह जहां मरने के बाद भी घर वाले कराते हैं शादी

आप अब तक कई शादियों में गए होंगे लेकिन क्या आपने कभी भूतों की शादी के बारे में सुना है? कर्नाटक में दक्षिण कन्नड़ जिले में यह परंपरा अभी जीवित है, जहां दो बच्चों को मरने के बाद उनकी शादी कराई जाती है। हाल ही में गुरुवार को भी दो मरे हुए बच्चों को शादी के बंधन में बांधा गया। ऐसा उनके माता-पिता उनकी आत्माओं की खुशी के लिए करते हैं। इसे 'प्रेत कल्याणम', या मृतकों का विवाह कहते हैं। जो अभी भी कर्नाटक और केरल के कई हिस्सों में कुछ समुदायों में जीवित है।

यूट्यूबर एनी अरुण ने ट्विटर पर चंदप्पा और शोभा के बीच उनकी मृत्यु के 30 साल बाद के मिलन को शेयर किया। यूट्यूबर ने ट्वीट किया, मैं आज एक शादी में शामिल हो रहा हूं। आप पूछ सकते हैं कि यह एक ट्वीट के लायक क्यों है। खैर, दूल्हा वास्तव में मर चुका है और दुल्हन भी मर चुकी है। इनकी मौत लगभग 30 साल पहले हुई थी और आज उनकी शादी है। यह उन लोगों को अजीब लग सकता है जो दक्षिण कन्नड़ की परंपराओं के आदी नहीं हैं। लेकिन यह यहां एक गंभीर परंपरा है। जिन बच्चों की 18 साल की उम्र से पहले मौत हो जाती है, उनकी मृत्यु के कुछ साल बाद उनकी ही जैसी मृत्यु की कहानियों वाले बच्चों से शादी करा दी जाती है। दक्षिण कन्नड़ में यह परंपराएं चलन में हैं क्योंकि लोग मानते हैं कि उनके प्रियजन की आत्मा भटकती है और उन्हें कभी 'मोक्ष' नहीं मिलता है। लोगों का मानना है कि किसी का भी जीवन शादी के बिना अधूरा है और परिवार को भटकती आत्मा से समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान सगाई समारोह से लेकर, शादी तक सभी परंपराएं निभाई जाती हैं। दूल्हा सबसे पहले 'धारे साड़ी' लाता है, जिसे दुल्हन शादी के समय या लग्न या मुहूर्तम में पहनती है। दुल्हन को कपड़े पहनने के लिए भी पर्याप्त समय दिया जाता है और सभी रस्में ऐसी होती हैं जैसे कि बिछड़ी आत्माएं परिवार के सदस्यों में से हों। सात फेरे, कन्यादान और मंगलसूत्र का बंधन जैसी सभी परंपराओं का पालन होता है।

बांटकर राज करती है भाजपा : अखिलेश

» वर्षों तक आरएसएस ने अपने यहां नहीं फहराया तिरंगा

» पिछड़े और मुसलमानों के साथ किया गया सबसे अधिक धोखा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बार फिर भाजपा पर करारा हमला किया है। उन्होंने कहा कि पूरे देश को यह बात समझनी चाहिए कि भाजपा आरएसएस की पॉलिटिकल विंग है। आरएसएस का इतिहास देखेंगे तो बरसों बरस तक इसने भारत का झंडा अपने यहां नहीं लगाया है। भाजपा हमेशा बांटकर राज करती है। वे डिप्टी सीएम को आगे करके उनके पिछड़े होने का लाभ उठा रहे हैं। भाजपा की सरकार में सबसे ज्यादा अगर धोखा हुआ है तो वह पिछड़े, दलित और मुसलमानों के साथ हुआ है।

उन्होंने कहा कि पिछली भाजपा सरकार ने कुछ नही किया। तीन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी तो अभी बनी नहीं है। महिलाएं भी सुरक्षित नहीं हैं। प्रदेश में साइबर फ्रॉड सबसे अधिक है। यहां पर कौन निवेश करेगा। लखनऊ में लुलु माल जो खुला है यह भी समाजवादियों की देन है। भाजपा अब प्रचार एजेंसियों का सहारा ले रही है। अगर इन लोगों ने कुछ काम किया होता तो इनका काम दिखता। उन्होंने कहा कि जालौन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया, वह बारिश में पूरा बन्द करना पड़ा। भाजपा क्या बुंदेलखंड एक्सपेस-वे में घटिया निर्माण की भी ईडी और सीबीआई जांच कराएगी। जेल से एमएलसी बाहुबली बृजेश सिंह के रिहा होने पर अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार के लोग तीन से चार घंटे वाराणसी जेल में उसके साथ बैठते थे, अब बाहर बैठेंगे। इस सरकार ने तो दूध पर भी टैक्स लगा दिया है। अभी गोरखपुर में मुख्यमंत्री ने बाल्टी भरकर दूध चढ़ाया। अब हम-आप पैकेट का दूध चढाएंगे तो जीएसटी देना होगा। सरकार जन्माष्टमी भी नहीं मनाने देना चाहती है। उन्होंने कहा कि जब कभी समाजवादी सरकार बनेगी तो प्रदेश तथा देश में जातिगत जनगणना कराई जाएगी। देश में इतनी महंगाई है। इसे कम करने के लिए क्या हो रहा है। इतनी बेरोजगारी है उसे कैसे कम करेंगे। देश के 22 करोड़ नौजवानों ने फॉर्म भरे, नौकरी लाखों को मिली। यूपी में लाखों लोग अग्निवीर की भर्ती देखने जा रहे हैं। नौकरी कितनों को मिलेगी हजार या दो हजार को।

भाजपा की तिरंगा यात्रा दिखावा

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की तिरंगा यात्रा दिखावा है। इसके जरिये भाजपा दंगा भी करा सकती है। भारतीय जनता पार्टी जिस संगठन से निकली है उसने कभी तिरंगा नहीं फहराया। आप सबसे बड़ा तिरंगा देखोगे तो यह जनेश्वर मिश्र पार्क में लगा है। समाजवादियों ने जनेश्वर मिश्र पार्क के साथ कई जगह तिरंगा झंडे लगाए। भारतीय जनता पार्टी के लोग तो केवल धोखा देने का काम करते हैं।

हर हाथ को रोजगार का नारा हो रहा चरितार्थ : केशव मौर्य

» डिप्टी सीएम ने स्वयं सहायता समूहों द्वारा तिरंगे के निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

» समूहों की ओर से निर्मित सामग्री की ब्रांडिंग कराने के दिए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि स्वयं सहायता समूहों की ओर से प्रदेश में अनुमानित 30 करोड़ की धनराशि के तिरंगा झंडे बनाए जा रहे हैं इससे महिलाओं को करीब तीन करोड़ का लाभ मिल सकता है।

उपमुख्यमंत्री मौर्य ने चिनहट ब्लाक के ग्राम लौलाई में स्वयं सहायता समूहों की ओर से तिरंगा झंडा बनाने के कार्य निरीक्षण करते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं का राष्ट्रीय ध्वज बनाने का कार्य सराहनीय है। केंद्र पर हर हाथ को रोजगार समृद्ध भारत का आधार नारा चरितार्थ होते दिख रहा है। मौर्य ने कहा कि समूहों की ओर से निर्मित सामग्री की बिक्री के लिए फ्लिपकार्ट व एचसीएल फाउंडेशन जैसी संस्थाओं से समन्वय कर ब्रांडिंग कराई जाए। हर कार्य में गुणवत्ता बनाए रखना जरूरी है।

झांसी : बिल्डरों पर जारी है आयकर की छापेमारी, कई डॉक्टर भी रडार पर

» आयकर के हाथ लगे अहम दस्तावेज, कई बैंक खाते सील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झांसी। झांसी में बुधवार से शुरू हुई आयकर विभाग की छापेमारी अभी भी जारी है। टीम ने झांसी के तीन बड़े बिल्डर्स समेत आठ से अधिक कारोबारियों के घर छापा मारा था। टीम के हाथ अहम दस्तावेज लगे हैं। कई बैंक खातों को सीज किया गया है। वहीं कई डॉक्टर भी रडार पर है।

झांसी के घनाराम इंफ्रा और उससे जुड़े प्रतिष्ठानों पर आयकर की छापेमारी जारी है। घनाराम कंस्ट्रक्शन कंपनी सपा के कद्दावर नेता श्याम सुंदर यादव की है। उन्होंने सपा सरकार के समय बुंदेलखंड में कई डैम बनाए हैं। इसके अलावा विभाग ने रियल एस्टेट कारोबारी विजय सरावगी के यहां भी छापा मारा था जिनकी जांच आज भी जारी रही। आयकर की टीम ने सपा नेता श्याम सुंदर यादव के तीन ठिकानों पर छापामारी करके जमीनी खरीद-फरोख्त के दस्तावेज के अलावा बैंकों के कई खाते भी सीज किए हैं। छापे में बिल्डरों के घरों से कई संपत्तियों के कागज आयकर की टीम को मिले हैं। इन बिल्डरों के दूसरे भी कई ठिकानों पर भी जांच चल रही है। जिन बिल्डर और व्यापारियों के यहां छापे मारे गए, वह आयकर विभाग की रडार पर कई महीनों से थे। आयकर विभाग द्वारा इनकम और प्रॉपर्टी के दस्तावेज खंगालने पर सामने आया है कि झांसी के बड़े बिल्डरों के साथ रियल एस्टेट कारोबार में झांसी के कई डॉक्टरों ने भी अपनी मोटी रकम लगा रखी है। जांच में इसके सुबूत भी आईटी टीम के हाथ लगे हैं। ऐसे में शहर के कुछ नामचीन डॉक्टर भी आयकर की जांच के रडार पर हैं।

जनता की आवाज उठाने पर किया जा रहा परेशान : भूपेश

» पेट्रोल-डीजल के बढ़ा दिए दाम पर उद्योगपतियों के लाखों-करोड़ों माफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इशारों-इशारों में नरेंद्र मोदी और अमित शाह पर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि केंद्र ने पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाकर 28 लाख करोड़ रुपये वसूल लिए। उद्योगपतियों का लाखों-करोड़ों रुपया माफ किया गया। जितने एयरपोर्ट हैं, सब बिक गए हैं। कौन खरीद रहा है, बताने की जरूरत नहीं है,हम दो हमारे दो।

उन्होंने कहा कि देश में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है। केंद्र सरकार का कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। पूरे देश में कांग्रेस इसका विरोध कर रही है। लोक सभा और राज्य सभा से लेकर सड़क तक इस मुद्दे को उठाया जा रहा है। हम जनता से जुड़े मुद्दों को उठाते हैं, इस वजह से हमें परेशान किया जाता है। हम डरने और पीछे हटने वाले नहीं है। खाद्य पदार्थों में जीएसटी लगा दिया है।

उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से परिवहन महंगा हो गया है। खेती-किसानी के काम भी महंगे हो गए हैं क्योंकि ट्रैक्टर भी डीजल से चलता है। रोज पेट्रोल के भाव बढ़ रहे हैं। आम आदमी का घर चलाना मुश्किल हो रहा है। व्यापारी, गृहणी, किसान, मजदूर यह सब मेहनत कर रहे हैं और मोदी सरकार ने ऐसा सिस्टम बनाया है कि लोगों की जेब से पैसा मोदी सरकार के पास चला जा रहा है।

कांग्रेस ने हमेशा मुद्दों पर आंदोलन किया!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लुटियंस दिल्ली की बैरेकेडिंग क्या सत्ता बचाने के लिए हुई है। क्या कांग्रेस पार्टी को सेंट्रल-स्टेट में रोकने के लिए हुई है या फिर भारतीय राजनीति एक बार फिर 2014 की राजनीति की तरफ जाएगी? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार डॉ. राकेश पाठक, अशोक वानखेड़े, अनुपम मिश्रा, सृष्टि कश्यप सिंह कांग्रेस नेता और अभिषेक कुमार ने एक लंबी परिचर्चा की।

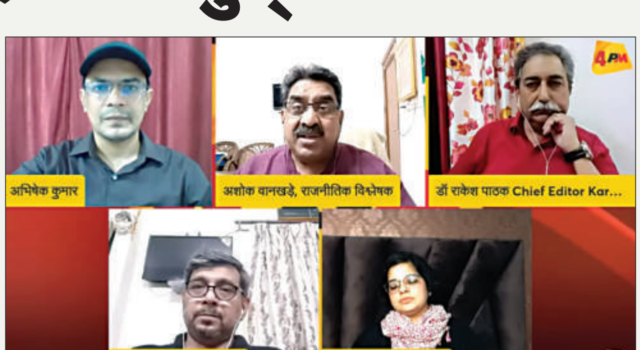

अशोक वानखेड़े ने कहा 2014 के बाद राहुल गांधी ने जितने भी मुद्दे उठाए, वे नेशनल हैं, नोटबंदी हो, चाइना हो, कोरोना हो, गिरता रूपया हो, महंगाई हो, बेरोजगारी हो। इन सब मुद्दों पर जो राहुल पर हंसते थे अब कहते हैं बोल तो सही रहे थ पर पार्टी साथ नहीं दे रही।

डॉ. राकेश पाठक ने कहा कि संसद ही नहीं, राज्यों में परसेप्शन ऐसा बना दिया जाता है कि विपक्ष कुछ है ही नहीं। कांग्रेस ने हमेशा मुद्दों पर आंदोलन किया। सोनिया और राहुल पर जब ईडी ने शिकंजा कसा तो जो आंदोलन हुआ, उससे यह साबित हुआ कि कांग्रेस है। लोकतांत्रिक समाज में मजबूत विपक्ष का होना जरूरी है। जनता हमेशा ऐसे मुखिया की तलाश में रहती कि जिस पर वह भरोसा कर सके।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

अनुपम मिश्रा ने कहा सीबीआई को पिजड़े का तोता नरेंद्र मोदी की सरकार में सुप्रीम कोर्ट ने नहीं कहा था, डॉक्टर मनमोहन सिंह की सरकार में कहा था। कोर्ट ने कहा था कि आप इसे पिजड़े का तोता बनाकर दुरुप्रयोग कर रहे हैं। 93 बार जब कांग्रेस चुनी हुई राज्य सरकारों को बर्खास्त करती है 56 साल में तब आप अंदाजा लगा सकते हैं कि ईडी और सीबीआई कितनी छोटी चीज हैं। सृष्टि कश्यप ने कहा, कांग्रेस हमेशा भाजपा की नीतियों का विरोध करती हैं। ईडी और सीबीआई का दुरुप्रयोग हो रहा है। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन नहीं था बल्कि यह प्रदर्शन विरोध महंगाई के मुद्दे पर था मगर दुष्प्रचार करने में भाजपा अव्वल है।

बीजेपी सांसद-मंत्री की आपसी जंग जनता दरबार में पीटा गया लिपिक

» मंत्री और अफसरों की मौजूदगी में हुई घटना

» सांसद देवेंद्र सिंह-मंत्री प्रतिभा शुक्ला के बीच छतीस का आंकड़ा

» दो नेताओं के बीच पिस रही कानपुर देहात की जनता

चेतन गुप्ता

बीजेपी सांसद देवेंद्र सिंह भोले

राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला

मंत्री के गुर्गों ने जनता दरबार में लिपिक को पीटा

कानपुर देहात में एक बार फिर सत्ता की हनक देखने को मिली। जहां पर आरोप है कि राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला के जनता दरबार के दौरान उनके करीबी वतनराज अग्निहोत्री और उनके गुर्गों द्वारा शिवली नगर पंचायत कार्यलय में लिपिक के पद पर तैनात राजेश कुमार के साथ अभद्रता और उनके सहायक कर्मचारी पंकज तिवारी की पिटाई की गई। ये पूरा वाक्या राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला के सामने चलता रहा और किसी की हिमाकत भी नहीं हुई कि उसे बचा सके। जिसके बाद किसी तरह लिपिक और सहयोगी बचकर वहां से निकला और इस पूरे घटनाक्रम की शिकायत उपजिलाधिकारी मैथा से की। इसके बाद जांच करके कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं।

लखनऊ। कानपुर देहात इस समय राजनीति का अखाड़ा बना हुआ है। विधानसभा चुनाव से पहले भी यही हाल था और अब भी। बीजेपी के मौजूदा सांसद और योगी सरकार में राज्यमंत्री के बीच आपसी जंग किसी से छिपी नहीं है। पार्टी हाईकमान सब जानते हुए भी चुप्पी साधे बैठा है। दोनों के बीच आपसी तालमेल बनाने के लिए कोई फौरी प्रयास नहीं हो रहे हैं।

जिले के अफसर दो गुटों में बंटे नजर आ रहे हैं, जिसका असर क्षेत्र के विकास पर पड़ रहा है और इसका खामियाजा कानपुर देहात की भोली भाली जनता को भुगतना पड़ रहा है। कानपुर देहात से बीजेपी के सांसद है देवेंद्र सिंह भोले और कानपुर देहात से ही विधायक चुनकर राज्य मंत्री बनी प्रतिभा शुक्ला के बीच छत्तीस का आंकड़ा है। अकबरपुर लोकसभा सीट से प्रतिभा शुक्ला के पति अनिल शुक्ला वारसी भी बसपा से सांसद रह चुके हैं और बीजेपी में आने के बाद लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने भी बीजेपी से टिकट मांगा था। यही कारण है कि भोले और प्रतिभा शुक्ला के बीच आपस में ठनी रहती है। क्षेत्रीय समीकरणों को साधने के लिए जातिगत राजनीति को लेकर भी दोनों कद्दावर नेता एक दूसरे की टांग खींचते नजर आते हैं। क्षत्रिय ब्राह्मण वोट बैंक को अपने पाले में करने के लिए दोनों नेता अपना वर्चस्व स्थापित करने के लिए क्षेत्र में कोई भी कोर कसर छोड़ना नहीं चाहते हैं। जिसको जब मौका मिलता है, दोनों एक दूसरे को नीचा दिखाते रहते हैं।

विधानसभा चुनाव से पूर्व तो खुले मंच से दोनों एक दूसरे पर निशाना साधते नजर आए थे। यहां तक की प्रतिभा शुक्ला ने स्थानीय अफसरों पर आरोप लगाए थे कि सांसद के दबाव में उनके क्षेत्र में विकास कार्य नहीं कराए जा रहे हैं और इसकी शिकायत भी उन्होंने बीजेपी हाईकमान से की थी। आरोप तो यह भी है कि भाजपा सांसद ने विधानसभा चुनाव में प्रतिभा शुक्ला का विरोध किया था और अंदर खाने से विरोधियों की मदद की थी। जिले के अफसर भी गुटों में बंटे हुए हैं। उसी का नतीजा है कि लिपिक की पिटाई हो गई। नगर पंचायत शिवली पर सांसद के समर्थकों का कब्जा है। आरोप लगाने वाला लिपिक भोले गुट का बताया जाता है। जिले के अफसर भी परेशान हैं दोनों नेताओं की आपसी खुन्नस को लेकर इसीलिए लिपिक का अभी तक मुकदमा दर्ज नहीं किया गया।

देश में लोकतंत्र की हो रही मौत : राहुल गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने महंगाई और बेरोजगारी के विरुद्ध कल संसद से सड़क तक मोदी सरकार के खिलाफ भारी विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर दिल्ली पुलिस ने खूब अत्याचार किया। इस संदर्भ में आज राहुल गांधी ने कहा कि देश में लोकतंत्र की मौत हो रही है। महंगाई के मुद्दे पर विपक्ष को संसद में बोलने नहीं दिया जाता और सड़क पर विरोध प्रदर्शन करने पर गिरफ्तार किया जाता है।

राहुल गांधी ने कहा कि महंगाई आसमान छू रही है। बेरोजगार सड़कों पर हैं मगर मोदी सरकार कहती है कि महंगाई कहीं है ही नहीं। सरकार का पूरा तंत्र चौबीसों घंटे झूठ बोल रहा है। वे जब महंगाई, बेरोजगारी और चीनी घुसपैठ जैसे मुद्दों को लेकर आवाज उठाते हैं तो उन पर आक्रमण किया जा रहा है।

पेज एक का शेष

और कोर्ट ने भी लगा दी...

थे। युवती की मां को भी षड्यंत्र का पता था। यह साजिश 2019 के लोक सभा चुनाव से पहले रची गयी थी। अतुल राय के पिता भरत सिंह ने इस मामले की जांच की मांग की थी तब यह मामला सामने आया। दरअसल, विरोधी अंगद राय पुत्र सर्वदेव राय निवासी गाजीपुर और सत्यम प्रकाश राय पुत्र इंद्रबली राय ने मिलकर अतुल राय के खिलाफ बलिया की एक युवती के जरिए लंका थाने में धारा 420, 376, 504, 506 व 120बी के तहत केस दर्ज कराया था। इस साजिश की पुष्टि ऑडियो क्लिप्स से हुई थी जिसमें सत्य प्रकाश राय, अंगद राय व अधिवक्ता विनोद राय की इसकी पूरी बातचीत मौजूद है। यह मामला एमपी-एमएलए कोर्ट मे चल रहा था। विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए) सियाराम चौरसिया की अदालत ने युवती के संग दुष्कर्म के मुकदमे में घोसी सांसद अतुल राय को अदालत ने बाइज्जत बरी कर दिया है। अतुल राय के वकील अनुज यादव और वादी के वकील एडीजीसी ज्योति शंकर ने पुष्टि की है। दरअसल, मूल रूप से बलिया जिले की रहने वाली यूपी कालेज की पूर्व छात्रा ने 1 मई 2019 लंका थाने में अतुल राय के खिलाफ दुष्कर्म समेत अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज कराया था। 22 जून 2019 को अतुल ने वाराणसी की कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। तब से वह नैनी जेल में ही हैं। सांसद के वकील अनुज यादव के अनुसार अदालत ने इस मामले में पीड़िता के बयान को विश्वसनीय नहीं माना है।

देश को आगे ले जाना है : ओम बिरला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राष्ट्रीय राजधानी में हर घर तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने आजादी के लिए लड़ाई लड़ी थी। हम आजादी की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। हमारा लक्ष्य उन लोगों के सपनों के मुताबिक देश को आगे ले जाना है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। इसके साथ ही पीएम मोदी ने 2 अगस्त से 15 अगस्त तक लोगों से अपने सोशल मीडिया की डीपी में तिरंगा लगाने का अनुरोध किया है।

गाजीपुर: मुख्तार की पत्नी की संपत्ति कुर्क

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। मुख्तार अंसारी और उसके स्वजन के खिलाफ जिला प्रशासन और पुलिस ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है। शनिवार को शहर के गोराबाजार, रजदेपुर और फुल्लनपुर में मुख्तार की पत्नी अफ्शां अंसारी की सवा दो करोड़ की भू-संपत्ति को कुर्क कर दिया। इस कार्रवाई को पुलिस अधीक्षक रोहन पी. बोत्रे स्वयं लीड कर रहे थे। सबसे पहले गोराबाजार की संपत्ति को कुर्क किया गया और उसके बाद फुल्लनपुर और रजदेपुर। इस दौरान भारी संख्या में

फोर्स उपस्थित रही। शहर के तीनों मुहल्ले में सुबह से ही पुलिसकर्मी पहुंचने लगे थे। अचानक मुहल्ले में पुलिस को देखकर लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं होने लगी। इसी बीच करीब 11 बजे पुलिस अधीक्षक रोहन पी. बोत्रे भारी फोर्स के साथ गोराबाजार पहुंचे और मुख्तार की पत्नी अफ्शा की 191 वर्गमीटर भूमि को गैंगस्टर एक्ट के तहत जिलाधिकारी के आदेश पर मुनादी कराते हुए कुर्क कर दिया।

12 आईएएस के ट्रांसफर, 4 अफसरों को भी मिली तैनाती

» प्रतीक्षारत रहे आशुतोष निरंजन को विशेष सचिव नियोजन की जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन ने शुक्रवार देर रात 12 आईएएस अफसरों के ट्रांसफर किए हैं। जिले से हटाकर वेटिंग लिस्ट में रखे गए चार अफसरों को भी तैनाती दी गई है। प्रतीक्षारत रहे आशुतोष निरंजन को विशेष सचिव नियोजन की जिम्मेदारी मिली है। कन्नौज जिले से हटाए गए राकेश कुमार मिश्रा को विशेष सचिव आवास और शहरी नियोजन का जिम्मा मिला है। लंबे समय से प्रतीक्षारत वैभव श्रीवास्तव को विशेष सचिव गृह और कारागार प्रशासन, सुधार में तैनाती दी गई है।

आजमगढ़ के जिला अधिकारी पद से हटाए गए अमृत त्रिपाठी को विशेष सचिव नियोजन विभाग की जिम्मेदारी मिली है। विशेष सचिव सूचना और जनसंपर्क विभाग में तैनात सुरेंद्र प्रसाद

सिंह को अपर श्रम आयुक्त कानपुर नगर में तैनाती दी गई है। विशेष सचिव नियोजन और कार्यक्रम में तैनात राम नयन सिंह यादव को विशेष सचिव कृषि उत्पादन आयुक्त शाखा लखनऊ में तैनात किया गया है। विशेष सचिव नियोजन विभाग उत्तर प्रदेश में तैनात वैभव को विशेष सचिव गृह और कारागार प्रशासन, सुधार विभाग में तैनात किया गया है। विशेष सचिव खाद्य और रसद विभाग-अधिशासी निदेशक, कर्मचारी कल्याण निगम और अधिशासी निदेशक, सचिवालय सत्कार संस्थान और सचिव सतर्कता आयोग लखनऊ में तैनात ओम प्रकाश वर्मा को अपर आयुक्त वाणिज्यकर लखनऊ में तैनात किया गया है। विशेष सचिव गृह और कारागार प्रशासन, सुधार विभाग में तैनात अटल कुमार राय को अपर आयुक्त उद्योग कानपुर में तैनात किया गया है। विशेष सचिव गृह विभाग उत्तर प्रदेश शासन में तैनात रविंद्र पाल सिंह को विशेष सचिव माध्यमिक शिक्षा विभाग में तैनात किया गया है। विशेष सचिव कृषि उत्पादन आयुक्त शाखा में तैनात संदीप कौर को विशेष सचिव महिला कल्याण और बाल विकास पुष्टाहार विभाग में तैनात किया गया है। विशेष सचिव आवास और शहरी नियोजन विभाग में तैनात डॉ अरविंद कुमार चौरसिया को विशेष सचिव कृषि उत्पादन आयुक्त शाखा में तैनात किया गया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।